वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 216 | बुधवार 3 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ व जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कार्यकर्ता सुनवाई की

हम देश की सरकार के पास जाते हैं दिल्ली : कर्नल

प्रदेश के कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता एक परिवार को ढोक लगाने के लिए दिल्ली जाते थे

90 परिवाद कार्यकर्ता सुनवाई में पहुंचे

जयपुर. कासं

भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर में मंगलवार को उद्योग एवं वाणिज्य, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई आयोजित की गई। कार्यकर्ता सुनवाई के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि पार्टी का मूल दायित्व है कि जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार अब नियमित रूप से पार्टी कार्यालय में सप्ताह में तीन दिन मंत्रियों एवं पदाधिकारियों द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई की व्यवस्था शुरू की गई है। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार के समय समन्वय के अभाव के कारण विकास कार्य बाधित रहते थे, जबकि आज तेजी से काम होने से विपक्ष असहज महसूस कर रहा है, कांग्रेसी नेताओं को पीड़ा हो रही है। वो दिल्ली एक परिवार के ढोक लगाने जाते थे, हम दिल्ली देश की सरकार के पास जाते हैं। राठौड़ ने बताया कि मंगलवार को लगभग 90 परिवाद कार्यकर्ता सुनवाई में पहुंचे। कई समस्याओं का मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश देकर त्वरित कार्रवाई कराई गई। कुछ मामलों को उचित विभागों को अग्रेषित किया गया, जबकि नीतिगत विषयों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। कार्यकर्ताओं की समस्याएं मुख्यतः राजस्व, बिजली-पानी, स्थानांतरण एवं विभिन्न विभागीय कार्यों से संबंधित थीं।

निवेश की दृष्टि से तेजी से उभर रहा राजस्थान

कर्नल राठौड़ ने बताया कि राजस्थान निवेश की दृष्टि से तेजी से उभर रहा है क्योंकि यह उत्तर भारत का सबसे शांत, सुन्दर एवं सुरक्षित प्रदेश है। राज्य में ऐसे कई सेक्टर हैं जिनमें अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान और सिंगल विंडो क्लीरेंस के माध्यम से निवेश एवं रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रवासी राजस्थान दिवस पर राठौड़ ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव, संसाधन और सीएसआर निवेश को संगठित रूप से प्रदेश के विकास से जोड़ा जा रहा है। इस पहल को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिल रही है।

डबल इंजन सरकार के कारण केंद्र से निरंतर सहयोग मिल रहा

राठौड़ ने कहा कि सुनवाई के माध्यम से समस्याएं सही अधिकारियों तक शीघ्रता से पहुंचने के कारण समाधान तेजी से संभव हो पाता है। मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण केंद्र से निरंतर सहयोग मिल रहा है और राज्य सरकार केंद्र की योजनाओं का लाभ धरातल तक पहुंचाने में तत्पर है, ताकि केंद्र की प्रत्येक योजना का लाभ जनता तक समय पर पहुंचे।

यह कार्यकर्ता सुनवाई है ना कि जनसुनवाई : सैनी

कार्यकर्ता सुनवाई में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी एवं प्रदेश मंत्री नारायण मीणा भी उपस्थित रहे। भूपेंद्र सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी कार्यालय में सरकार के मंत्रियों के द्वारा कार्यकर्ताओं की सुनवाई कार्यक्रम शुरू किया है, जहां कार्यकर्ता अपने क्षेत्र की समस्याएं मंत्रियों के समक्ष रख सकते हैं। सैनी ने विशेष तौर पर स्पष्ट किया कि यह कार्यकर्ता सुनवाई है ना कि जनसुनवाई। सभी मंत्रीगण नियमित जनसुनवाई पूर्वानुसार अपने निवास और सचिवालय में करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई में अपनी समस्या को मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष या जिला पदाधिकारी से अनुशंसा करवाकर पार्टी कार्यालय लेकर आएं। उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा राज्य मंत्री, पीडब्ल्यूडी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री मंजू बाघमार, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश गौतम कार्यकर्ता सुनवाई करेंगे। संबंधित विभागों से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाएगा।

स्थानांतरण संबंधी सवालों पर राठौड़ ने कहा कि जब स्थानांतरण प्रक्रिया आरंभ होगी, तब प्रस्तुत प्रस्तावों की सूची पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा परिस्थिति के मुताबिक कानून से हटकर निर्णय लेने की जरूरत होगी तो प्रकरण मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाया जाएगा।

प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने किया जेके लोन अस्पताल का दौरा

जयपुर. कासं

अस्पतालों में बिगड़ती व्यवस्थाओं को सुधारने के मकसद से मंगलवार को राजस्थान की प्रिंसिपल सेक्रेटरी हेल्थ गायत्री ए. राठौड़ ने जयपुर के जेके लोन अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का जायजा लिया और भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर फीडबैक लिया। बातचीत में पता चला कि कई मरीजों को दवाइयां और जांचें बाहर से करवानी पड़ रही हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने डॉक्टरों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी हाल में मरीजों को बाहर से दवाइयां या जांचें करवाने के लिए पर्ची न लिखें। इससे पहले, अस्पताल के विभिन्न सेक्शनों में घूमते हुए उन्हें कुछ स्टाफ सदस्य बैठे नजर आए। पूछताछ पर पता चला कि वे ट्रेनिंग के लिए आए हैं। राठौड़ ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और निर्देश दिए कि ट्रेनिंग के दौरान भी स्टाफ से काम लिया जाए, ताकि अस्पताल की सेवाएं प्रभावित न हों। इस दौरान प्रिंसिपल सेक्रेटरी के साथ एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. आर.एन सेहरा समेत अन्य डॉक्टर और प्रशासनिक अधिकारी भी साथ रहे।

श्री श्री 1008 आदिनाथ तीन देवरिया अतिशय क्षेत्र मालपुरा नगरी में
प. पू. वात्सल्यमूर्ति, अमितभद्र, संत गौरव आचार्य 108
श्री इन्द्रनन्दी जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में
श्री मज्जिनेन्द्र वेदी प्रतिष्ठा
जिनबिम्ब स्थापना एवं
विश्वशांति महायज्ञ
महोत्सव
शनिवार, 6 दिसम्बर से
रविवार 7 दिसम्बर 2025 तक
प.पू. वात्सल्यमूर्ति, अमितभद्र, संत गौरव आचार्य 108 श्री इन्द्रनन्दी जी महाराज
आमन्त्रण पत्रिका
धर्मानुरागी महानुभाव!
वात्सल्यमयी सादर जय जिनेन्द्र!
हमारे पुण्योदय से मालपुरा में स्थित श्री 1008 आदिनाथ तीन देवरिया मंदिरजी में वेदी निर्माण एवं स्वर्ण कार्य पूर्ण होने पर वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव पूर्वक जिनबिम्ब विराजमान करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। अतः पावन अवसर पर पुण्यार्जन प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें।
इस पावन अवसर पर सपरिवार पधारकर धर्मलाभ ले एवं कार्यक्रम की शोभा बढ़ावें
सौधर्म इन्द्र परिवार
धनपति कुबेर परिवार
महायज्ञनायक परिवार
ईशान इन्द्र
वेदी निर्माण व स्वर्ण कार्य पुण्यार्जक
सानत कुमार इन्द्र परिवार
महेन्द्र इन्द्र
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
अष्ट कुमारिया
ध्वजारोहण कर्ता
मण्डप उद्घाटन
चित्र अनावरण
दीप प्रज्ज्वलन
स्वर्ण सौभाग्यवती महिला
पंच कुमार
मांगलिक कार्यक्रम
पत्रिका पुण्यार्जक
शनिवार 06 दिसम्बर 2025
प्रातः 6.00 बजे - देव आज्ञा
प्रातः 7.00 बजे - घटयात्रा
प्रातः 9.00 बजे - ध्वजारोहण, आचार्य निमंत्रण
प्रातः 10.00 बजे - वेदी शुद्धि संस्कार, जाप्य, अनुष्ठान
दोपहर 12.00 बजे - दिग्बंधन, इन्द्र, मण्डप प्रतिष्ठा, श्रीजी अभिषेक, शांतिधारा, नित्यमह पूजन, यज्ञ मण्डल विधान अर्चना
सायं 6.30 बजे - मंगल आरती
रात्रि 8.00 बजे - सांस्कृतिक कार्यक्रम
रविवार 07 दिसम्बर 2025
प्रातः 6.00 बजे - श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा, नित्यमह नियम पूजा
प्रातः 8.00 बजे - विश्वशांति महायज्ञ
प्रातः 9.00 बजे - आहारचर्या
प्रातः 10.00 बजे - श्रीजी की रथयात्रा
प्रातः 11.00 बजे - श्रीजी वेदी में विराजमान
प्रातः 11.30 बजे - सकल दिगम्बर जैन समाज का वात्सल्य प्रीतिभोज
आयोजन कर्ता व निवेदक-
सकल दिगम्बर जैन समाज मालपुरा जिला-टोंक (राज.)
सम्पर्क सूत्र:-9414439954, 8104005886, 7073715423, 9252532628, 9414348121

लैंगिक समझ (Gender Understanding) एवं लैंगिक संवेदनशीलता (Gender Sensitization) कार्यक्रम का सफल आयोजन

जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रूवा) एवं श्री महावीर कॉलेज, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में रूवा के स्वर्ण जयंती वर्ष (2024–2025) के उपलक्ष्य में लैंगिक समझ (Gender Understanding) एवं लैंगिक संवेदनशीलता (Gender Sensitization) जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं संकाय सदस्यों में लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, तथा संवेदनशील आचरण के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना था। इस अवसर पर रूवा की अध्यक्ष प्रो. अमला बत्रा, रूवा की पूर्व अध्यक्ष एवं MSSK, आदर्श नगर की संयोजक प्रो. बीना अग्रवाल, तथा रूवा की संयुक्त सचिव डॉ. प्रिया ने लिंग आधारित भूमिकाओं, लैंगिक पूर्वाग्रह, भेदभाव, लैंगिक समझ, तथा संवेदनशील व्यवहार जैसे समसामयिक मुद्दों पर अत्यंत सारगर्भित, शोध-आधारित एवं प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन सेवाओं, कानूनी प्रावधानों, और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले व्यवहार एवं उपायों से अवगत कराया।अपने उद्बोधन में प्रो. अमला बत्रा ने रूवा द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे जेंडर सेंसिटाइजेशन अभियानों की आवश्यकता एवं प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला।प्रो. बीना अग्रवाल, MSSK संयोजक, ने महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र की भूमिका, सहायता तंत्र, तथा महिलाओं से संबंधित संवेदनशील प्रकरणों के समाधान की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी साझा की। संयुक्त सचिव डॉ. प्रिया ने पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़ियों, शक्ति-संतुलन, तथा लैंगिक भेदभाव के व्यापक सामाजिक प्रभावों पर विचारोत्तेजक और गंभीर विश्लेषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की विशेषता शॉर्ट फिल्मों के प्रदर्शन एवं समूह चर्चाओं के रूप में रही, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों को Gender Understanding एवं Gender Sensitization के विविध आयामों—

जागरूकता, संवेदनशीलता, दृष्टिकोण परिवर्तन एवं व्यावहारिक व्यवहार—से गहनतापूर्वक परिचित कराया गया। इन गतिविधियों ने उपस्थित प्रतिभागियों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें एक समावेशी, सुरक्षित और संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण के निर्माण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों, संकाय सदस्यों एवं रूवा प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्ण सहभागिता निभाई।

जिस जिनालय मंदिर, क्षेत्र में चमत्कार, अतिशय होता हैं वह मंदिर अतिशय क्षेत्र होता हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पीपल्दा. शाबाश इंडिया

पीपल्दा ग्राम अब श्री चंद्र प्रभु अतिशय मंदिर के नाम से भारत में विख्यात होगा। 972 वर्ष प्राचीन जिनालय में विगत 3 वर्षों पूर्व आए थे तब से अभी तक हमने भी अनेक अतिशय देखे ,और प्रभु की सकारात्मक उर्जा महसूस की। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी सहित पूवार्चार्यों के आशीर्वाद से हमने पहली बार किसी मंदिर का जीणोद्धार कर नूतन जिनालय बनाने की प्रेरणा दी। अब ग्राम पीपल्दा नगर हो गया। प्राचीन जिनालय पहले रोड से 4 फीट नीचे था, वर्षा का पानी मंदिर में आता था, प्रभु के चमत्कार से बिना निकासी के जल निकल जाता था।श्री चंद्रप्रभु भगवान का पंचकल्याण

प्रतिष्ठा संपन्न हुई है। इस दौरान इंदौर जैसे महानगर से भक्त यहां आकर सौधर्म इंद्र बने। कोलकाता, छत्तीसगढ़,मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों के श्रावको ने तन मन धन भक्ति उत्साह पूर्वक की जन्म कल्याणक पर हेलिकाप्टर से पुष्प वर्षा,तप कल्याणक पर प्रसिद्ध भामाशाह का हेलिकाप्टर से आना ,मंदिर बहुमंजिला शिखर वाला बनना, संत भवन बनाना,उसके लिए भूमिदान, निर्माण सामग्री का दान ऐसे अनेक चमत्कार अतिशय प्राचीन श्री चंद्र प्रभु द्वारा हुए हैं इसलिए श्री चंद्रप्रभु जिनालय को हम अतिशय क्षेत्र घोषित करते हैं। आपकी ही तरह श्री चन्द्रप्रभु भगवान भी संसारी प्राणी थे जिन्होंने मनुष्य भव में युवराज बन कर राज्यसंचालन किया विवाह भी किया आकाश में बिजली की चमक देखकर वैराग्य का निमित मिला यह मंगल देशना वात्सल्य वारिधी 108 आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज ने पंच कल्याणक प्रतिष्ठा के मोक्ष कल्याणक अवसर पर धर्मसभा में प्रकट की। गुरु भक्त राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने बताया कि दीक्षा का प्रसंग आपने देखा।तप साधना से चार धातिया कर्मों को नष्ट कर केवल ज्ञान प्राप्त कर विहार कर धर्म देशना समवशरण में देते हैं। सम्मेद शिखर में नियोग धारण कर ध्यान से शेष 4अधातिया कर्मों को नष्ट कर सिद्ध अवस्था प्राप्त करते है। सभी को चमत्कारी अतिशय कारी चन्द्र प्रभु श्री का प्रतिदिन देव दर्शन, अभिषेक , पूजन का संकल्प लेना चाहिए।देव गुरु हमारे आराध्य हैं ।

राजेश पंचोलिया इंदौर

पायल जैन को मिली पीएचडी की डिग्री

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने पायल जैन जो कि पूर्व छात्र अध्यक्ष एमजी कॉलेज को एचडी की उपाधि प्रदान की । उन्होंने संस्कृत एवं प्राकृत महाकाव्यों में सीता -चरित्र : एक अध्ययन विषय पर शोध कार्य किया है । आपने अपना शोध कार्य डॉ .सुनीता शर्मा पूर्व आचार्यमीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर के निर्देशन में पूर्ण किया है । आपने अपने शोध में स्पष्ट किया है कि जहाँ कुछ साहित्यकारों ने कहा है कि सीता ने अग्नि परीक्षा राम के कहने पर दी। वहीं एक साहित्यकार ने राम के सामने अपने निर्दोष सिद्धि के लिए सीता स्वयं ने अग्नि परीक्षा का प्रस्ताव रखा - जिसे राम ने स्वीकार कर लिया।

धर्म-कर्म

शंकाओं का समाधान है सच्ची समाधि

योगाचार्य सुरक्षित गोस्वामी

गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं
**''तस्मादज्ञानसम्भूतं हृत्स्थं ज्ञानसिनात्मनः।
छित्त्वैनं संशयं योगमातिष्ठोत्तिष्ठ भारत।। 4/42''**

अर्थः हे भारत! हृदय में स्थित अज्ञान से उत्पन्न इस संशय को ज्ञानरूपी तलवार से काट दो और योग में स्थित होकर खड़े हो जाओ।

अज्ञान और संशय की जड़ें: मनुष्य जीवनभर बाहरी विकारों, परिस्थितियों और इच्छाओं के प्रभाव में खड़ा रहता है। उसका अधिकांश समय इन्हीं के बीच उलझकर बीत जाता है। लेकिन गीता का यह श्लोक मनुष्य को भीतर की यात्रा पर केंद्रित करता है। भगवान यहां आसन या प्राणायाम की नहीं, बल्कि योग में स्थित होकर खड़े होने की बात कर रहे हैं। योग का अर्थ केवल शारीरिक क्रियाएं करना नहीं, बल्कि अपने आत्मस्वरूप से जुड़ जाना है। यह अध्यात्म की सर्वोच्च अवस्था है जहां व्यक्ति अपने वास्तविक अस्तित्व को पहचान लेता है। इस अवस्था तक पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा है अज्ञान और उससे उत्पन्न संशय। यही संशय मन को बार-बार विचलित करता है, सत्य से दूर ले जाता है और व्यक्ति को विकारों में उलझाए रखता है। अज्ञान का अंत केवल ज्ञान से ही संभव है। गीता में ज्ञान की तलवार का रूपक अत्यंत सारगर्भित है। जैसे तलवार किसी बंधन को तुरंत काट देती है, वैसे ही सही ज्ञान मन में जन्म लेने वाले संदेहों को काट देता है लेकिन समस्या यह है कि बहुत से लोगों के पास ज्ञान तो होता है, पर वे सही समय पर उसका उपयोग नहीं कर पाते। जीवन में जब कोई प्रश्न उठता है, जब मन विचलित होता है या कोई भय जन्म लेता है, तब ज्ञान निष्क्रिय पड़ा रहता है। ज्ञान तभी प्रभावी होता है जब व्यक्ति उसे जगह-जगह प्रयोग करने का अभ्यास विकसित करे। श्लोक का एक गहन संकेत यह भी है कि हमें एक निरंतर अभ्यास अपनाना चाहिए। मन में जैसे ही कोई शंका उभरे उसे दबाया न जाए, उससे भागा न जाए, बल्कि उसे ज्ञान के प्रकाश में रखकर देखा जाए। जब यह अभ्यास निरंतर होता है, तब मन धीरे-धीरे स्पष्टता को पहचानना सीखता है। संशय कमजोर पड़ने लगता है और व्यक्ति का आत्मविश्वास स्वतः बढ़ने लगता है।

संपादकीय

दिव्यांगता : समाज की सोच बदलने का समय

दिव्यांगता को आज भी समाज में एक सामाजिक कलंक की तरह देखा जाता है। जबकि 3 दिसम्बर को मनाया जाने वाला विश्व विकलांग दिवस इसी सोच को बदलने का उपक्रम है। इस वर्ष का विषय सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता-समावेशी समाजों को बढ़ावा देना दिव्यांगजन को सशक्त बनाकर उन्हें समाज-निर्माण में अग्रणी भूमिका देने की आवश्यकता पर जोर देता है। 1992 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस

दिवस की शुरूआत का उद्देश्य भी यही था कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान और समानता को समाज के केंद्र में लाया जाए। सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए अनेक नीतियां बनाईं, आरक्षण दिए, पेंशन योजनाएं चलाईं और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सुविधाएं सुनिश्चित कीं। लेकिन विडंबना यह है कि देश के आधे से अधिक दिव्यांगों के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र ही नहीं है। प्रमाणपत्र के बिना कोई भी सरकारी सुविधा उनके लिए महज कागजी वादा बनकर रह जाती है। अस्पतालों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाना आज भी एक बड़ी चुनौती है। सरकारी दावों के बावजूद प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया जटिल और मनमानी से भरी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांग के स्थान पर दिव्यांग शब्द का प्रयोग करने की अपील कर नई संवेदनशील भाषा दी। लोगों ने शब्द तो बदल लिया, पर नजरिया नहीं। समाज आज भी दिव्यांगों को दया, असहायता या बोझ की दृष्टि से देखता है, जबकि अनेक दिव्यांगजनों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ता से असंभव प्रतीत होने वाली उपलब्धियां हासिल की हैं भारत की सुधा चंद्रन, संदीप कुमार, सुन्दर गुर्जर से लेकर इतिहास के तैमूर लंग, राणा सांगा और महाराजा रणजीत सिंह तक अनेक उदाहरण बताते हैं कि परिस्थितियां नहीं, सोच किसी को महान बनाती है। भारत में दिव्यांगता की वास्तविक स्थिति चिंताजनक है। एनएफएचएस-5 के अनुसार देश की लगभग 4.52 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन जी रही है यानी करीब 6.3 करोड़ लोग। सबसे सामान्य लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता है, इसके बाद मानसिक एवं वाक् विकलांगताएं आती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वैश्विक स्तर पर 15 प्रतिशत लोग दिव्यांग हैं, जिनमें से अधिकांश निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। ऐसे में भारत जैसे देश में दिव्यांगजनों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर अधिक गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। 2016 के आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम ने दिव्यांगता की परिभाषा को व्यापक बनाकर एसिड अटैक पीड़ितों और अन्य शारीरिक विकृतियों को भी इसमें शामिल किया। यह सराहनीय कदम था, परंतु क्रियान्वयन में कमी आज भी बड़ी बाधा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दिव्यांग कल्याण योजनाओं की सुस्त प्रगति पर सरकार को फटकार लगाई, जो बताता है कि नीतियां अच्छी हैं, लेकिन जमीन पर असर कम है। असल समस्या हमारे समाज की मानसिकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

राष्ट्रीय राजमार्गों पर कड़ी निगरानी

कांतिलाल मांडोत

देश के बुनियादी ढांचे को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार जिस प्रतिबद्धता से काम कर रही है, उसका सबसे सशक्त उदाहरण आज राष्ट्रीय राजमार्गों का तेजी से हो रहा विस्तार है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी विकास परियोजनाओं को गति देने के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता को सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। हाल ही में एनएचएआई की विभिन्न परियोजनाओं का जायजा लेने गुजरात पहुंचे गडकरी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब देशभर में सड़क निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। गडकरी ने गुजरात में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को स्वीकृति दी और सूरत में अचानक अपने काफिले को रोक कर सड़क निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। यह उनकी कार्यशैली की वही विशेषता है, जो उन्हें देश के सबसे सक्रिय एवं परिणाम-दर्शी मंत्रियों में शामिल करती है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण गुणवत्ता पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि कहीं भी घटिया सामग्री या लापरवाही पाई गई तो संबंधित ठेकेदार को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। उनके इस कठोर रुख ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में नई पारदर्शिता और अनुशासन स्थापित किया है। सूरत में स्थानीय नागरिकों ने फूल-मालाओं से गडकरी का स्वागत किया, लेकिन उन्होंने औपचारिकताओं से अधिक ध्यान जनता की समस्याएं सुनने और उन्हें तुरंत हल कराने पर केंद्रित किया। सड़क निर्माण से जुड़ी कठिनाइयों और ट्रैफिक प्रबंधन की शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। यही उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण है, जिसके कारण सड़क निर्माण आज देश के आधुनिकीकरण की रीढ़ बन चुका है। गडकरी के नेतृत्व में महामार्ग निर्माण में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग प्राथमिकता बन चुका है। दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जो न केवल यात्रा समय कम करेगा, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत में भारी कमी लाकर अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। उन्होंने सभी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को 30 दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया है। यह आदेश समयबद्धता और गुणवत्ता दोनों पर समान जोर देने की सरकार की नीति को दर्शाता है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ हुई समीक्षा बैठक में सभी लंबित परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के बाद स्थानीय प्रशासन, इंजीनियरों और ठेकेदारों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप कार्य की गति और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दिखाई देने लगा है। नितिन गडकरी अपनी पारदर्शी छवि के लिए देशभर में पहचाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में सड़कों ने केवल परिवहन का स्वरूप ही नहीं बदला, बल्कि रोजगार, पर्यटन, उद्योग और निवेश के नए अवसर भी पैदा किए हैं। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है, तब हाईवे और एक्सप्रेस-वे देश की आर्थिक धमनियों की तरह काम कर रहे हैं। एनएचएआई की परियोजनाओं में पिछले वर्षों में जितनी तेज कार्रवाई और जवाबदेही दिखाई दी है, वह पहले दुर्लभ थी। गडकरी का सूरत दौरा इस नीति को और मजबूत करता है। उनकी कड़ी निगरानी और गुणवत्ता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित कर रही है कि भारत की सड़कें अब विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप बनें।

फकीर की मौज, राख बनी झोपड़ी— और भूगर्भ से अवतरित प्रतिमाओं की रक्षा में मेरा अटूट संकल्प

''आई मौज फकीर की'' दिया झोपड़ा फूँक—यह पंक्ति मेरे जीवन के हर निर्णय पर अंकित है। फकीर अपने लिए नहीं जीता, वह उस सत्य के लिए जीता है जो उसके भीतर एक दीपक की तरह जलता रहता है। मेरे जीवन में यह दीपक वही दिव्य प्रतिमाएँ हैं, जो भूगर्भ से अवतरित होकर हमारे विश्वास और कर्म-दोनों की परीक्षा लेने आईं। धरती माँ ने जिन प्रतिमाओं को सहस्राब्दियों तक छुपाकर रखा, उनकी रक्षा का सौभाग्य किसीझकिसी को मिलता है। जब ये प्रतिमाएँ मिलीं, तो लगा जैसे स्वयं भगवान ने मुझसे कहा हो—अब हम तुम्हारी जिम्मेदारी हैं। बस उसी दिन मेरे जीवन का मार्ग तय हो गया। इन प्रतिमाओं की रक्षा के लिए न मैंने दिन देखा, न रात; न सुविधा देखी, न तकलीफ। मैंने अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी 'झोपड़ी' स्वयं राख कर दी—सिर्फ. इस भय से कि कहीं मेरी किसी सुविधा से, किसी कमजोरी से, इन प्रतिमाओं की मयार्दा पर आँच न आ जाए। लेकिन इस मार्ग में सबसे कठिन लड़ाई प्रतिकूल परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन्हीं लोगों से हुई जो प्रतिमाओं की सेवा के नाम पर आगे आए थे। कई साधुओं ने और समाज के कई प्रतिष्ठित, तथाकथित अग्रणी लोगों ने प्रतिमाओं को संभालने के लिए हाथ बढ़ाया। बाहर से देखा जाए तो यह हाथ सेवा का लगता था, संरक्षण का लगता था, धर्म की चिंता का लगता था पर जब समय ने सच का आवरण हटाया, तो पता चला— वे हाथ समर्पण के नहीं, प्रतिमाओं के नाम पर अपने निजी हित साधने के थे। जब इन लोगों को लगा कि प्रतिमाओं के माध्यम से प्रभाव, दबाव, लाभ और नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है—तब वे बड़े भाव से आगे बढ़े। लेकिन जैसे ही उन्होंने महसूस किया कि मैं उन्हें प्रतिमाओं को व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं बनने दूँगा। तब वही साधु, वही श्रेष्ठी, वही धर्म के रक्षक कहे जाने वाले लोग— साथ देने के बजाय दुष्प्रचार करने में लग गए। किसी ने संघर्ष की आग मेरे लिए और तेज की, किसी ने अफवाहें उड़ाईं, किसी ने बदनाम करने की कोशिश की। आज भी कुछ लोग सच को छुपाकर झूठ के पीछे खड़े हैं, क्योंकि सत्य उनके स्वार्थ के मार्ग में काँटा बनकर चुभता है।

लेकिन मैंने कभी किसी से डरना सीखा ही नहीं।
क्योंकि मेरा समर्पण किसी व्यक्ति के प्रति नहीं,
किसी संगठन के प्रति नहीं,
किसी पद या प्रतिष्ठा के प्रति नहीं—
मेरा समर्पण केवल सत्य के प्रति है।
और सत्य की रक्षा करने वाला व्यक्ति चाहे अकेला खड़ा हो जाए, पर उसकी हिम्मत भगवान कभी टूटने नहीं देते।
मैंने शुरू से ही यह ठान लिया था कि अगर इन भूगर्भ से अवतरित प्रतिमाओं की मयार्दा बचाने के लिए मुझे अपनी झोपड़ी जलानी पड़े—तो मैं मुस्कुराकर आग लगा दूँगा।
क्योंकि मेरे लिए प्रतिमाओं की रक्षा ही सबसे बड़ा धर्म है, सबसे बड़ी पूजा है, सबसे बड़ा तप है।
और मैं आज भी कहता हूँ—
यदि फिर सौ जन्म भी मिलें,
और हर जन्म में यही संघर्ष मिले,
तो मैं हर बार वही रास्ता चुनूँगा
क्योंकि मैं सत्य के साथ खड़ा हूँ—
और सत्य के सामने किसी दुष्प्रचार की औकात नहीं होती।

— नितिन जैन
संयोजक — जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष — अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मोबाइल : 9215635871

सुनवाहा मंदिर की वेदी पर श्रीजी को कराया विराजमान

वकस्वाहा. शाबाश इंडिया

विकासखण्ड के सुनवाहा में मंगलवार को श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी की वेदी पर श्रीजी विधि विधान से विराजमान की गई। धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन महेंद्र कुमार राहुल कुमार परिवार द्वारा कराया गया। मंदिर जी में श्री शांतिनाथ भगवान एवं श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिष्ठा उपरांत वेदी पर विधिपूर्वक विराजमान कराया गया। कार्यक्रम में बम्हौरी, बकस्वाहा, निवार, शाहगढ सहित आसपास के क्षेत्र से समाजिक बंधु सहभागी रहे। इस कार्यक्रम को पं. अशोक कुमार बम्हौरी ने विधि-विधान पूर्वक सम्पन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान प्रातः मंदिर जी में नित्यमह अभिषेक, पूजन, शांतिधारा विधान प्रारंभ किया गया इसके बाद नव-मूर्तियों की भव्य शोभायात्रा ग्राम में निकालकर वेदी पर श्रीजी को विराजमान किया गया। इस कार्यक्रम में पं. अशोक कुमार बम्हौरी ने विधि-विधान से तथा संगीताचार्य अखिलेश जैन अखिल एण्ड पार्टी बकस्वाहा ने संगीत के साथ के सम्पन्न कराया।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश रागी रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा

आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का जयपुर की ओर मंगल विहार

रविवार 14 दिसम्बर तक जयपुर आने की संभावना, जयपुर के श्रद्धालु रविवार 4 दिसंबर को श्रीफल भेंट करने पहुंचेगे नैनवा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणाचार्य 108 विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक केसरी आचार्य 108 विनिश्चय सागर महाराज ससंघ (पांच पिच्छीका) का रामगंज मण्डी जिला कोटा में भव्य चातुर्मास समापन के बाद करनाल हरियाणा के लिए मंगल विहार चल रहा है। आचार्य श्री ससंघ का रविवार, 14 दिसम्बर तक जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश होना संभावित है। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का विहार का रुट रामगंज मण्डी - कोटा - केशवराय पाटन - नैनवा - टौक - निवाई - चाकसू - छोटा गिरनार - पदमपुरा होते हुए जयपुर महानगर में भव्य मंगल प्रवेश है। इस दौरान आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज का मुनि दीक्षा दिवस समारोह भी धूमधाम से मनाया जाना प्रस्तावित है। आचार्य श्री ससंघ का गुरुवार, 4 दिसम्बर, 2025 को नैनवा में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस मौके पर जयपुर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होने के लिए नैनवा पहुंचेगे। मुनि भक्त अंकित सोनी बाडा पदमपुरा वाले एवं सीए शुभम जैन ने बताया कि आचार्य श्री भीलवाड़ा में सन् 2007 में चातुर्मास के बाद जयपुर में सन 2008 में पहली बार तथा दूसरी बार सन् 2012 में जयपुर के सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन में गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित ऐतिहासिक युग प्रतिक्रमण यति सम्मेलन में आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज मुनिराज के रुप में जयपुर पधारे थे। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में भी प्रवास रहा। आचार्य श्री के पूर्व में किशनगढ़ एवं शिवाड में चातुर्मास हो चुके हैं।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति जयपुर कैपिटल युवा संभाग का मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति जयपुर कैपिटल युवा संभाग ने संभाग की सभी सदस्यों को एक साथ लाने और उनमें नया जोश भरने के लिए अपने पहले मिलन समारोह 'The Ig»»fiteMeet' का आयोजन लॉर्ड्स इन होटल में किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा संभाग के सक्रिय सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को बढ़ावा देना और उनके नवीन विचारों को एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोड्या, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉक्टर वंदना जैन, राजस्थान अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल, राजस्थान अंचल कोषाध्यक्ष विद्युत लुहाडिया और कल्पना बेद ने शिरकत की। संभाग की संस्थापक अध्यक्ष पूनम तिलक और परामर्शक पिंकी शाह ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और युवा सदस्यों का प्रोत्साहन और मार्गदर्शन किया। श्रीमती शीला डोडिया ने बताया कि अगर हमें आगे बढ़ना है अपने मजबूत इरादों के साथ तो हमें किसी की लाइन को काटना नहीं है अपनी लाइन को बढ़ाना है। श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि हम आजाद रहे अपने ख्यालों से लेकिन बंधे रहे अपने संस्कारों से। समाज में जो आडंबर आज व्याप्त हो गए हैं उनको हम युवा पीढ़ी ही समाप्त कर सकते हैं। डॉ वंदना जैन ने बताया की पढ़ाई का उद्देश्य सिर्फ कमाना ही नहीं बल्कि अपने घर परिवार को व्यवस्थित तरीके से रखकर बाकी समय में हम सामाजिक उपयोगी काम करें। अपनी ऊर्जा को युवा शक्ति सही जगह इस्तेमाल करें। संभाग की कोषाध्यक्ष सोनम जैन, युवा प्रकोष्ठ मंत्री दीपिका गंगवाल, और मोनिका जैन ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। मंत्री प्रियंका चांदवाड और महिला प्रकोष्ठ मंत्री रचना ने रोचक गेम्स खिलाए। सृष्टि सेठी, अवनी जैन गेम्स की विजेता रही। कार्यक्रम का संचालन संभाग की अध्यक्षा रुचिका जैन द्वारा किया गया। कार्याअध्यक्ष दीपिका बिलाला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आचार्य श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में भक्तामर स्तोत्र महामंडल विधान की हुई पूजा अर्चना

मोजमाबाद, फागी. शाबाश इंडिया

मोजमाबाद कस्बे में विराजमान आचार्य श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आज पदमा देवी,पवन -अलका कोठारी, विशाल -हिमाद्री, अपूर्व -नेहा,भावित-श्रिया, श्रेयांसी, मलय, शरणम्, आदित्य, आदिति ठोलिया परिवार मोजमाबाद निवासी हाल वासी जयपुर के परिवार जनों की अगुवाई में आज मोजमाबाद के आदिनाथ जिनालय में भक्तामर स्तोत्र महामंडल विधान की पूजा अर्चना हुई जिसमें 151 पुज्यार्थियों ने पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि उक्त विधान में भक्ति भाव से साज सज्जा के साथ 48 अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में हीरा पथ जैन समाज जयपुर के अध्यक्ष धनकुमार जैन, कीर्ति नगर मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद जैन जयपुर, तथा डाक्टर महावीर बोहरा, प्रेमचंद पाटोदी, मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक बोहरा, नरेंद्र बाकलीवाल, रुपचंद बोहरा,अविनाश ठोलिया, राजेंद्र पाटोदी पवन पाटोदी, सुकुमार मोदी, रुप चंद मोदी, देवेन्द्र बाकलीवाल, सुकुमार बोहरा,उत्तम चोधरी, नवीन छाबड़ा, हरिशंकर सोगानी मोजमाबाद सहित भीलवाड़ा, मदनगंज किशनगढ़,दूदू,बगरू, मौजमाबाद, फागी, नारेड़ा, के श्रावक श्राविकाओं ने सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

संसार मार्ग से लेकर मोक्ष मार्ग तक मित्रता का अभूतपूर्व सम्बन्ध : मुनि प्रभव सागर महाराज

आर्यिका महायश मति माताजी द्वारा ध्यान क्रिया का बालक बालिकाओं को दिया प्रशिक्षण

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज संघ के आशीर्वाद एवं सानिध्य में सन्त निवास नसियां जैन मंदिर में स्वाध्याय, ध्यान क्रिया का प्रशिक्षण एवं प्रतिक्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें सोमवार एवं मंगलवार को सायंकाल जैन आर्यिका महायश मति माताजी, आर्यिका दिवय्यश मति माताजी एवं पद्यय मति माताजी के निर्देशन में सेकंडों महिलाओं एवं बालक बालिकाओं को स्वाध्याय के साथ पंच परमेष्ठि ध्यान क्रिया प्रशिक्षण दिया गया जिसमें श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि मंगलवार को नसियां जैन मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी के अभिषेक एवं शांतिधारा करते हुए पूजा अर्चना की। इस दौरान आशा गिन्दोडी, सलौनी जैन, सीमा सेदरिया, मीनाक्षी बगड़ी, प्रियंका पराणा, नीलू कासलीवाल, अर्चना टोंग्या, प्रीति रजवास, संजू जौंला, रमेश चंद गिन्दोडी, महावीर प्रसाद पराणा, विष्णु बोहरा, हुकमचंद जैन, गोपाल जैन, शंभु कठमाणा, विमल जौंला, सुनील गिन्दोडी, पवन बोहरा, मोहित चंवरिया हेमंत चंवरिया, नेमीचंद सिरस, महावीर प्रसाद छाबड़ा, सन्मति चंवरिया, राजेन्द्र बगड़ी, दिनेश चंवरिया, विनोद जैन, विमल गिन्दोडी, सुनील भाणजा, मनोज पाटनी, महेन्द्र चंवरिया, विमल बड़ागांव, सुशील गिन्दोडी, हर्षित संधी, विमल सोगानी, प्रेमचंद सोगानी ने जैन मुनियों की पूजा अर्चना की।

गीता जयंती पर बच्चों ने किया श्लोक पठन

जयपुर. शाबाश इंडिया। डा अशोक दुबे ने बताया कि गीता जयंती के अवसर पर सर्व समाज सेवा समिति एवं प्राचार्य कृष्ण कांत कलावतिया, के प्रयासों से आस्था एंजल अकादमी स्कूल, इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा सेक्टर 1, में बच्चों को संस्कारित करने के उद्देश्यों की कड़ी में प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा स्कूल के बच्चों को गीता श्लोकों का पठन करवाया गया। इस अवसर पर अध्यापिका सविता जैमिनि, वीणा तिवारी, सरला रतन, सविता भूटानी, भारती वर्मा, रिन्सन जॉर्ज, प्रतीक मीणा, सहित स्टॉफ ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।, बच्चों ने बहुत ध्यानपूर्वक एवं पूर्ण रुचि के साथ श्लोक पठन किया।

तन की शुद्धि जल से, चेतन की शुद्धि भावों की शुद्धता से ही होती है : दिगम्बराचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज

मुजफ़्फ़रनगर (उ.प्र.). शाबाश इंडिया

जीवन है पानी की बूंद महाकाव्य के मूल रचनाकार भावलिंगी संत दिगम्बराचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज दिगम्बर जैन परंपरा में सर्वश्रेष्ठ साधक एवं विशाल चतुर्विध संघ के अधिनायक संघ शिरोमणि अद्वितीय संत हैं। मुजफ़्फ़रनगर की पावन धर्मधरा पर 35 पीद्दीधारी संयमियों के साथ आचार्य प्रवर विमर्शसागर जी महामुनिराज अपूर्व धर्म की प्रभावना कर रहे हैं। मुजफ़्फ़रनगर के जैन मिलन विहार में उपस्थित विशाल धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा जिनेन्द्र देव कहते हैं कि एक गृहस्थ श्रावक को प्रतिदिन स्नान करना चाहिए। बन्धुओ ! आप जन्म से लेकर आज तक तन अर्थात शरीर को स्नान कराते आये हैं। ध्यान रखो, जल से शरीर की शुद्धि हो सकती है किन्तु यदि आपको अपने चेतन को शुद्ध करना है तो वह बाहरी जल से शुद्ध नहीं होगा, चेतन शुद्धि के लिए आपको शुभ-शुद्ध भावजल की आवश्यकता है । भाव शुद्धि के बिना तीन काल में भी आपके चेतन-आत्मा की शुद्धि नहीं हो सकती ।बन्धुओ !शरीर तन को स्नान कराते हुए तो अनादि काल बिता दिया अब एक बार अपने भावों को संभालकर भावशुद्धि के द्वारा अपने चेतन आत्मा को स्नान करा लो, आपका आत्मा भी परमात्मा हो जायेगा। जल को छानकर ही उपयोग करना चाहिए इसकी महत्ता बताते हुये आचार्य श्री ने कहा जिनेन्द्र भगवान ने पानी की एक बूंद में असंख्यात जीव बतलाये हैं, वर्तमान में

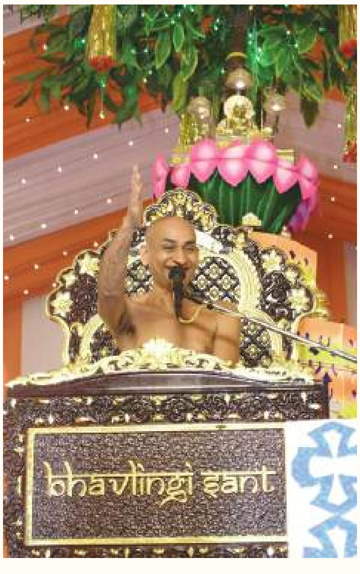

वैज्ञानिक भी एक बूंद पानी में 36,450 जीव बताते हैं। बन्धुओं : आप प्रतिदिन स्नान करते हैं, छने हुए जल से या बिना छने जल से। विचार करना, आपने अनछने जल से स्नान कर लिया, आपने अपने शरीर की शुद्धि की है या शरीर को अशुद्ध कर लिया । आपकी जेब में रूमाल हो या न हो लेकिन पानी छानने का छन्ना अवश्य होना चाहिए। पानी छानने का छन्ना आपके अहिंसक होने का प्रतीक है। अहिंसा धर्म का पालक अवश्य ही पानी छानकर ही प्रयोग करेगा। आपके पास छन्ना है तो समझ लेना आपके पर चारों अनुयोगों के शास्त्र है, क्योंकि आपके पास अहिंसा धर्म का आचरण है।

सोनल जैन की रिपोर्ट

श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के चुनाव सम्पन्न

मुरादाबाद. शाबाश इंडिया। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा जो जैन समाज की 130 वर्ष पुरानी और विश्व की सबसे बड़ी जैन संस्था है, के चुनाव दिनांक 30 नवंबर को टीएमयू मुरादाबाद में निर्विरोध संपन्न हुए। इस चुनाव में राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर निर्विरोध रूप से पवन जैन गोधा को चुना गया। पवन जैन गोधा आदिनाथ टीवी के डायरेक्टर एवं अरिहंत ट्रांसपोर्ट के संस्थापक हैं तथा पिछले 12 वर्षों से लगातार 55,000 से अधिक श्रद्धालुओं को श्री सम्मेद शिखरजी की पावन यात्रा करवाने का गौरव रखते हैं। लगातार 40 वर्षों तक महासभा के अध्यक्ष रहे बाउजी निर्मल सेठी के नेतृत्व के बाद इस बार चुनी गई नई कार्यकारिणी इस प्रकार है अध्यक्ष : गजराज जैन गंगवाल, दिल्ली, कार्याध्यक्षः प्रकाश बड़जात्या, चेनई राजेश शाह अहमदाबाद, रमेश तिजारिया जयपुर, सुरेश पांड्या दिल्ली, महा मंत्रीः पवन जैन गोधा शक्ति नगर दिल्ली, कोषाध्यक्षः प्रकाश वोहरा, दिल्ली। महासभा का उद्देश्य जैन समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक संगठन की पहुँच बनाना है, मंदिरों का जीर्णोद्धार, विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का सशक्तिकरण, सभी तिर्थ क्षेत्रों की रक्षा एवं सुंदर व्यवस्था, विवाह सम्मेलन तथा सामाजिक उत्थान जैसी महान सेवाओं को व्यापक रूप से किया जा सके। हम चाहते हैं कि जैन समाज का हर सदस्य महासभा से जुड़े, ताकि हम मिलकर बड़े और राष्ट्रहितकारी कार्य कर सकें। हमारी भावना है ''सबका साथ-सबका विकास''। आगामी जनगणना 2026 में हम सभी जैन समाज के लोगों से निवेदन है कि धर्म कॉलम में 'जैन धर्म' अवश्य लिखें, क्योंकि जहां हमारी वास्तविक जनसंख्या लगभग 4 करोड़ है, वहीं वर्तमान में सरकारी आंकड़ों में मात्र 45 लाख दर्शाई जाती है। एकजुट होकर हम सभी जैन समाज का गौरव और अधिक बढ़ाएँ – यही हमारा संकल्प है।

लोगों की बात का तब फर्क पड़ता है.. जब आपको किसी बात से कोई फर्क नहीं पड़ता : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

इसलिए सुखी से जीवन जीना है तो अजनबी बनकर जीना शुरू कर दो। मैं देख रहा हूँ -- आज संसार में सभी जान पहचान बढ़ाने में लगे हुये हैं। हमें जितना अधिक लोग जानते हैं, हम अपने आप को उतना ही महान मानते हैं, और कहते है --- आई एम समथिंग। मैं कहता हूँ - नथिंग। हमें जितना अधिक लोग जानते हैं, हम अपने आपको उतना ही सेफ समझते हैं और अपने अहंकार को पुष्ट करते हैं। परन्तु जो जाने पहचाने से लगते हैं, वे असलियत में अजनबी ही होते हैं। क्योंकि जो पहचान है -- वह नाम, पता, व्यापार, परिवार, कद पद पैसे आदि की बाहरी चीजों की दुनिया से होती है। हम भी उसी को अपनी पहचान समझते हैं। यदि हम एक दूसरे को जानते पहचानते होते, तो हर आदमी अपने आप को अकेला महसूस नहीं करता। आज आदमी सबके साथ होकर भी अकेलेपन का जीवन जी रहा है। यह जान पहचान रिश्ते नाते सब बाहरी आकर्षण के केन्द्र है। सत्य यही है। जैसे - विशाल समन्दर में अथाह जल राशी होने के बाद भी वह एक की प्यास नहीं बुझा पाता। इस विरोधाभास को कैसे समझायें- ? और इस समस्या से कैसे बाहर आयें- ? इससे बाहर आने के लिये खुद को, खुद की सतही में जाना पड़ेगा, और अपने भीतर डूबना पड़ेगा। यहाँ प्रकृति की हर एक चीज अकेली है। वस्तुओं का स्वभाव भी यही है, कि हर एक इन्सान अपने लिये जीता है और अपने ढंग से जीता है। बात इतनी सी है कि जन्म और मृत्यु ये दो तट है, जिनके बीच आदमी नाटकीय, कौतूहल की जिन्दगी जी रहा है।

दीया का तेल खतम, जीवन का खेल खतम।

यदि जीवन को समझना है तो समग्रता और इमानदारी से जीयें, बेहोशी, मूर्च्छा, तन्द्रा का जीवन जीना बन्द करे। जिस दिन आदमी समग्रता से जीना शुरू कर देगा और बेहोशी से जीना बन्द कर देगा, तो उसी दिन से उसका खुद से परिचय हो जायेगा, फिर उसे दूसरे लोग जाने या ना जाने, इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जब हम खुद से जुड़ जाते हैं तब बोध होता है कि हमें दूसरे कोई भी इन्सान जान ही नहीं सकते, ना हम आपको जान सकते। एक दूसरे के साथ होना ये तो ऐसा ही है जैसे -- नदी नाव संयोग नाव पानी में रहे तो पार कर देगी और पानी नाव में आ जाये तो नाव डूबो देगी। आपको विचार करना है कि आपकी नाव पानी में या पानी नाव में : **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्री आदिनाथ जैन रिलीफ ट्रस्ट को महिला मण्डल ने 2 व्हीलचेयर भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री वर्धमान महिला समूह गायत्री नगर,महारानी फार्म द्वारा दिनांक 1 दिसंबर 2025 को 2 व्हीलचेयर श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र को प्रदान की है। इस अवसर पर डॉ बोहरा साहब,ट्रस्ट के सुरेश लुहाड़िया, अशोक गंगवाल एवं श्री वर्धमान महिला समूह के पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित थे। डॉक्टर बोहरा साहब ने इस सराहनीय कार्य के लिए महिला समूह को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र के प्रभारी सुरेश लुहाड़िया ने मानव कल्याण के लिये किये गये कार्य की प्रशंसा की।

नसीराबाद में राजस्थान का साहित्यिक आंदोलन कार्यक्रम सम्पन्न

साहित्य युवाओं के चरित्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है : अनिल सक्सेना ललकार

रोहित जैन. शाबाश इण्डिया

नसीराबाद। नसीराबाद में सोमवार को आयोजित राजस्थान का साहित्यिक आंदोलन कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं आंदोलन के संस्थापक अनिल सक्सेना ललकार का प्रेरक मुख्य व्याख्यान केंद्र में रहा। उन्होंने कहा, साहित्य केवल किताब नहीं, बल्कि युवाओं के चरित्र निर्माण और मन के विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। जब विद्यार्थी साहित्य से जुड़ते हैं, तो उनमें संवेदनशीलता, तर्कबुद्धि और समाज को दिशा देने की क्षमता विकसित होती है। सक्सेना ने भारतीय संस्कृति, भाषा-संवर्धन, नैतिक मूल्यों तथा शिक्षा व्यवस्था पर आधुनिक प्रभावों के संबंध में विस्तृत विचार व्यक्त किए। उन्होंने रामायण और महाभारत के प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी जड़ों, संस्कृति और साहित्य से जुड़ने की प्रेरणा दी। यह एक दिवसीय व्याख्यान एवं परिसंवाद यूथ मूवमेंट राजस्थान, न्यू संस्कृति स्कूल तथा श्री बालाजी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (आईटीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। गौरतलब है कि राजस्थान का साहित्यिक आंदोलन वर्ष 2010 में अनिल सक्सेना ललकार द्वारा प्रारंभ किया गया, जो पिछले 15 वर्षों से प्रदेशभर में साहित्यिक चेतना, युवा नेतृत्व और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सतत अभियान चला रहा है। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के प्रदेश महासचिव अशोक लोढा ने आंदोलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और भावी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

ओम श्री माँ फाउंडेशन की गीता जयंती

कोलकाता. शाबाश इंडिया

बेहाला की नवोदित सामाजिक व साहित्यिक संस्था 'ओम श्री माँ फाउंडेशन के तत्वावधान में बामा चरण राय रोड, बेहाला में सम्पन्न हुआ। संस्था की संस्थापक व वरिष्ठ कवयित्री मृदुला कोठारी 'मधु' ने कहा कि यदि धार्मिक मान्यताओं की बात करें तो सनातनी परम्परा के अनुसार गीता का स्थान वही है जो उपनिषद और धर्म सूत्रों का है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने जन्म और मृत्यु के सच को रेखांकित करते हुए कहा है कि जिसने जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। मुख्य अतिथि शिव शंकर सिंह 'सुमित' ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में तीन गुण बताए हैं। सत्व, रजस तमस। व्यक्ति के विचारों में इन्हीं तीन गुणों का समावेश होता है। विशिष्ट अतिथि राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी' ने कहा कि सकरात्मक जीवन जीने की राह गीता दिखाती है। इसीलिए व्यक्ति को हमेशा सकारात्मक सोच के साथ सक्रिय रहना चाहिए। इस खास अवसर पर रचनाकारों में राम अवतार सिंह, नन्दू बिहारी, संजय शुक्ल, दया शंकर मिश्र, नन्द लाल सेठ 'रौशन' प्रणति ठाकुर, डॉ उर्वशी श्रीवास्तव, स्वेता गुप्ता 'स्वेतांबरी', रणजीत भारती और पुरूषोत्तम चौधरी ने भी गीता के संदर्भ में अपनी रचनाएँ सुनाकर कार्यक्रम को सार्थक बना दिया। समारोह अध्यक्ष व गीतकार चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी' ने सबकी रचनाओं पर बख़ूबी समीक्षात्मक टिप्पणी की तथा अपनी रचना पेश कर वाह-वाही बटोरीं। कार्यक्रम का प्रभाव शाली संचालन प्रदीप कुमार धानुक व धन्यवाद ज्ञापन संजय कोठारी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विनीता, कविता, नमिता और मीना कोठारी का अतुलनीय योगदान रहा। **प्रेषक : प्रदीप कुमार धानुक**

श्री आदिनाथ जैन मंदिर में भक्तिभाव से हुआ भक्तामर स्तोत्र पाठ

भगवान मल्लिनाथ के कल्याणकों का हुआ श्रद्धापूर्वक आयोजन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। श्री आदिनाथ जैन मंदिर परिसर में आदिनाथ महिला मंडल द्वारा प्रतिदिन आयोजित हो रहे श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन मंगलवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी, जहां शांत वातावरण में भक्तिमय ध्वनि गूँज रही थी। नियमित आयोजित हो रहे इस स्तोत्र पाठ का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, मानसिक शांति और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है। भक्तामर स्तोत्र पाठ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। महिला मंडल की सदस्यों ने बताया कि पाठ से न केवल धार्मिक आस्था बढ़ती है, बल्कि जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए मनोबल और ऊर्जा भी प्राप्त होती है। मंदिर परिसर में दीप, और मंत्रोच्चार के साथ अत्यंत दिव्य और शांति पूर्ण वातावरण का निर्माण हुआ।

मल्लिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक मनाया गया

यह दिन विशेष इसलिए भी रहा क्योंकि मंदिर में जैन धर्म के उन्नीसवें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ के जन्म और तप कल्याणक का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, विशेष पूजन एवं देव शास्त्र पूजा की गई। श्रद्धालुओं ने मंगलाचरण, स्तवन और भक्ति-गीतों के साथ आराधना में भाग लेकर कल्याणकों की शुभता का लाभ लिया। इस अवसर पर मंदिर समिति की सदस्य ऊषा भंडारी ने भगवान मल्लिनाथ के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान का जन्म मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी को मिथिला पुरी में राजा कुम्भ और रानी रक्षिता देवी के यहां हुआ था। उन्होंने बताया कि भगवान मल्लिनाथ ने 55 हजार वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की थी और मात्र 6 दिनों के कठोर तप के बाद केवलज्ञान प्राप्त किया। इसलिए जन्म और तप झ दोनों कल्याणक इसी तिथि पर मनाए जाते हैं। इस पावन अवसर पर अनिल कुमार जैन, श्रीमती बबीता जैन, श्रीमती ज्योति जैन, शौर्य जैन एवं काव्या जैन के परिवार ने भक्तामर स्तोत्र पाठ करवाने की सेवा निभाई। परिवार के सदस्यों ने भगवान के समक्ष क्षेत्र और समाज में सुख-शांति, समृद्धि और सद्भावना की कामना की। मंदिर समिति के अनुसार निरंतर पाठ से पूरे परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा, मनोबल और दिव्यता का विशेष अनुभव हो रहा है। महिलाओं द्वारा किए जा रहे इस आयोजन की समाज के सभी वर्गों ने प्रशंसा की और इसे धार्मिक उन्नति के लिए अत्यंत सार्थक बताया।

निर्यापकाचार्य मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी का नगर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीसी की वर्ष गांठ पर हुआ महा मस्तिकाभिषेक

भारतीय दर्शन की सबसे बड़ी विशेषता है ये सबको अपने में समाहित कर लेता है : निर्यापकाचार्य

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। भारतीय दर्शन की सबसे बड़ी विशेषता है कि भक्त को निर्णय करना है कि उसका भगवान कैसा हो कल्पना आती है कि हमारा बेटा हो आपके मन में विचार आता है कि आपकी बहूं कैसी है आप मकान खरीदने पर विचार करते हैं मैरे पड़ोसी कैसा हो ऐसा ही आपको विचार करना है कि मेरा गुरु कैसा हो जो गुण तुम्हारे अंदर नहीं है वो गुरु होना चाहिए मात्र संत शब्द से गुरु नहीं हो सकता आचारण देखा जाता है श्री राम के नाम के साथ आचरण देखो सारी दुनिया श्री राम के आदर्श को अपनाने को तैयार रहते हैं एक प्रसंग आता है सीता जी कि कोई गलती नही थी मन से वचन से काय से किसी भी प्रकार से कहीं गलती हो ही नहीं सकती थी महासति सीता कहती हैं कि गलती मेरी है मैं इतनी सुन्दर क्यो थी रावण की द्दष्टि मेरे तरफ गई ये होती है महान व्यक्तित्व की विशेष आपके परिणाम खराब होते ही नही कैसे होते हैं महासति सीता जी गलती नहीं होने पर भी अपनी गलती मान रहे हैं उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। आज हम सब का एक माह के वाद सौभाग्य जगा परम पूज्य निर्यापका चार्य मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज का विशाल संघ सोलह पिच्छिका के साथ चार गुना बढ़ कर आयें हम सब को परम पूज्य के सान्निध्य में श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक महा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया मुकेश भ इया के निर्देशन में मनाने जा रहे हैं आइये हम सब अपने मन को अयोध्या की ओर ले चले

भव्य शोभायात्रा के साथ परम पूज्य का हुआ नगर प्रवेश

एक माह के दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के प्रवास के वाद परम पूज्य का दोपहर बाद नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ जहां जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडिटर संजय के टी संयोजक मनोज रन्नौद उमेश सिघई मनीष सिंघ ई श्रेयांस घैला थूवोन जी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास विपिन सिंघई सहित अन्य प्रमुख जनो ने नगर के बाहर पहुंच कर श्री फल भेंट किए इसके बाद भव्य शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश कराया जहां यह शोभा यात्रा पार्श्वनाथ मन्दिर पछाड़ी खेड़ा रोड वगीचा मन्दिर गांधी पार्क रेस्टहाउस भगवान महावीर स्वामी मार्ग आचार्य श्री विद्यासागर दारा होते हुए सुभाष गंज पहुंचे जहां भव्य धर्म सभा को सम्बोधित किया।

व्यक्ति विफल क्यों हो जाता है, समझें विफलता दिखा रही है

उन्होंने कहा कि व्यक्ति विफल क्यों हो जाता है समझें विफलता दिखा रही है कि आपने सही तरीके से पुरुषार्थ नहीं किया अज्ञानी व्यक्ति का सबसे बड़ा लक्ष्य है वह विफल होने पर निराश हो जाता है वह हर किसी पर आरोप लगाने लगता है आप जिस वस्तु को चाह रहे हैं वह नहीं मिली तो उसका आरोप किसी अन्य व्यक्ति पर लगा देते हैं तो आगे भी विफल होंगे यहां तक कि आप गाड़ी सावधानी से चला रहे थे कोई सामाने आकर टकरा जाये आपकी गाड़ी बड़ी थी वह आप को गालीयां दूंगा आपकी गलती नही है फिर भी आपने शान्ति से सुन लिया तो शान्ति से सुनने का चमत्कार देना आगे आपको ऐसी कठिनाई नहीं होगी।

आर्यिका संघ का विहार दुर्गापुरा से बड़के बालाजी के लिए हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी ससंघ का चातुर्मास 2025 सानंद संपन्न होने के पश्चात मंगल विहार मंगलवार 02.12.2025 को दोपहर मंदिर जी में आयोजित धर्म सभा के पश्चात कमला नेहरू नगर में रात्रि विश्राम करते हुये 03.12.2025 को प्रातः 7 बजे कमला नेहरू नगर से बड़के बालाजी के लिए होगा। धर्म सभा में मंगलाचरण रेखा पाटनी ने किया। कमला निगोतिया, रानी सोगानी, चन्दा सेठी, सुशीला काला ने विहार पर उदगार व्यक्त किये। आर्यिका संघ से चातुर्मास में हुई गलतियों के लिए समाज की ओर से ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड ने क्षमा याचना की। भगवान चंद्रप्रभजी पार्श्वनाथ जी के जन्म तप कल्याणक महोत्सव के पावन दिवस पर 15.12.2025 को आर्यिका संघ का सानिध्य प्राप्त करने हेतु मंत्री राजेन्द्र काला ने समाज, ट्रस्ट व महिला मंडल के साथ श्रीफल भेंट कर निवेदन किया। माताजी ने आशीर्वचन में बताया कि चातुर्मास पुण्य से मिलता है, आप सभी ने धर्म लाभ लिया। सभी को बहुत बहुत आशीर्वाद प्रति वर्ष साधुओं का चातुर्मास कराते रहें। विहार में साधुओं के साथ रहकर धर्म प्रभावना करते हुए पुण्यार्जन प्राप्त करें। अजीत जैन आचार्य ने अंत में जिनवाणी स्तुति की।

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 131 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के पहले मंगलवार को आयोजित निशुल्क कैंप को संस्था परिसर में लगाया गया। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया की कैंप में वरिष्ठ डॉक्टर आर के चंडक ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 131 मरीजों को जिनमे 12 नए मरीज थे सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाते हुए इसके नियमित रूप से करने पर जोर दिया। पवन बोरदिया ने सभी मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना देते हुए संस्था के कार्यों की सराहना की व एक माह की भोजन सेवा का लाभ लेने की घोषणा की। पारस बाबेल ने संस्था की गतिविधियों के बारे में एवं मूल चंद नाबेडा ने लाभार्थी परिवार का स्वागत अभिनंदन किया। शिविर में आए हुए मरीजों एवं उनके साथ परिजनों हेतु पूरे दिसम्बर माह की सभी कैंपों की निशुल्क भोजन की सेवा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मसूदा की ओर से रखी गई जिसमें 250 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ उठाया। संस्था के मूल चंद नाबेडा, देवकरण कोठारी पारस बाबेल, मदन लाल लोढ़ा,दिनेश जोशी, दिलीप पाराशर, अनिता रांका, ज्योति सेठी सहित गणमान्य व्यक्तियो ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।